



इतना सारा शोर शराबा

प्रस्तुतकर्ता नोनी

एक दिन शृंगेरी श्रीनिवास अपनी सबसे अच्छी गायों के साथ पशुओं के मेले में जाने के लिए निकले। उन्हें नए नेशनल हाईवे के रास्ते से जाना था। यहाँ कार और ट्रक के ज़ोरदार हॉर्न्स हंगामा मचा रहे थे, शोर शराबा गायों को पसंद नहीं आया, वे बिदक गईं। वे शृंगेरी श्रीनिवास को घर वापस खींच लाईं।

सड़क का सारा शोर शराबा शृंगेरी के दिमाग पर चढ़ गया, जिसे वे घर पर भी भुला नहीं पाए। शृंगेरी रोज़ाना ज़िन्दगी में जो आवाज़ें सुनते थे, वे भी अचानक उन्हें शोर लगने लगीं। मेंढक, कोयल, गाय, शेर, सब इतना शोर क्यों मचा रहे हैं?

बेचारे शृंगेरी श्रीनिवास, उन्हें सिर्फ शांति चाहिए थी। यदि बच्चों ने जोर से बात की तो शृंगेरी ने उन्हें डाँट लगा दी। सभी ने उनकी मदद करने की कोशिश की, बच्चे बिना शोर के क्रिकेट खेलने लगे। गायों ने रम्भाना बंद कर दिया। मगर शृंगेरी श्रीनिवास खुश नहीं थे, “मैं इस शोर शराबे से दूर चला जाऊँगा,” एक सुबह अचानक उन्होंने घोषणा कर दी।



**PRATHAM
BOOKS**

A Book in Every Child's Hand



This story has been provided for free under the CC-BY license by Pratham Books. Illustrated by Angie & Upesh.





वे अपने गाँव से दूर निकल गए और नए कसबे में जा पहुंचे। यहाँ और भी ज्यादा शोर शराबा था। उन्हें नज़र आया एक नवयुवक जिसने हैंडफोन पहने थे, हॉर्न्स के सारे शोर शराबे के बीच भी वह बहुत खुश लग रहा था। “आहा! यही तो चाहिए था मुझे,” उन्होंने कहा। फिर उन्होंने एक बड़ा सा हैंडफोन खरीद लिया। अब कोई शोर शराबा नहीं है।

अब जब भी शृंगेरी श्रीनिवास को कार और मेंढकों पर गुस्सा आता, तो वे अपना हैंडफोन पहन कर कोई मीठा सा गाना सुनने लगते। लेकिन अब भी उन्हें अपनी गायों को पशुओं के मेले में उसी शोर शराबे से भरे हाईवे से ले जाना है। क्या पता उनकी गायों को भी हैंडफोन की ज़रूरत हो?

समाप्त

Click below to follow us:



YouTube

facebook

